ग्रामीण कार्य विभाग
इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया की मार्गदर्शिका

1. प्रस्तावनाः

ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं यथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्य मंत्री ग्राम सड़क योजना, राज्य योजना मद 4515, नाबार्ड ऋण सम्पोषित राज्य योजना, विशेष अंगीभूत योजना, आपकी सरकार आपके द्वार तथा गैर योजना से संबंधित ग्रामीण पथों का पुनर्निर्माण, निर्माण, उन्नयन तथा अनुरक्षण कार्यो को बड़े पैमाने पर कार्यान्वित किया जा रहा है। पूर्व में इन परियोजनाओं के कार्यो की निविदा उनकी वित्तीय स्थिति के आधार पर एक लिफाफे या दो लिफाफे के माध्यम से कराया जाता था। उन लिफाफों में उससे संबंधित अभिलेखों की छायाप्रति निविदादाता द्वारा स्वहस्ताक्षर कर उपलब्ध करायी जाती थी जिसके निष्पादन में सक्षम प्राधिकार द्वारा काफी समय व्यतीत किया जाता था। फलस्वरूप परियोजनाओं की लागत में वृद्धि की संभावना बनी रहती थी तथा बड़े पैमाने पर उन परियोजनाओं की निविदा निष्पादन में अभिलेखों के हेराफेरी की शिकायतें भी प्राप्त होती थीं। निविदा की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु वित्त विभाग द्वारा एक परिपत्र निर्गत किया गया था जिसके माध्यम से इस राज्य के कार्य विभागों को निदेश दिया गया कि 25.00 (पचीस) लाख रूपये से अधिक के सभी कार्यो का कार्यान्वयन इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कराया जाय, जिसका अनुपालन पूर्णतः नहीं हो पा रहा था।

ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2010 में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भारत निर्माण योजना तथा मुख्य मंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यो की निविदा का निष्पादन इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्रारंभ किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस पद्धति से निविदा के निष्पादन हेतु प्रक्रिया प्रारंभ करने का उत्तरदायित्व एन०आई०सी० एण्ड एन०आई०सी०एस०आई०को सौंपी गयी है।

एन०आई०सी० द्वारा इस पद्धति के आधार पर प्रक्रिया प्रारंभ करने हेतु एक सॉफ्टवेयर GePNIC (जेपनिक) विकसित किया गया, जिसकी मान्यता MORD & NRRDA द्वारा प्राप्त है तथा उसके लिए दिशा निर्देश एवं निधि की व्यवस्था भी उन्हीं सस्थाओं द्वारा प्रारंभ के दिनों में की गई थी।

हाल के दिनों में माननीय विभागीय मंत्री द्वारा ग्रामीण कार्य विभाग के सभी योजनाओं के कार्यो को इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कराने पर बल दिया गया है। तदनुसार विभाग भी उनके सशक्त दिशा निर्देशन में विभाग द्वारा कराये जाने वाले सभी कार्यो की निविदा इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया के आधार पर ही निष्पादित करने का निर्णय लिया गया है।

2. इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया की परिभाषाः

यह एक निविदा की प्रक्रिया को कार्यान्वित करने का एक माध्यम है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों यथा कम्प्यूटर, ब्रॉडबैंड, इन्टरनेट कनेक्शन इत्यादि तथा संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ इसकी विशेषज्ञता का उपयोग कर उस प्रक्रिया को पूर्ण किया जाता है। इस पद्धति में निविदा की अन्य सारी प्रक्रियाएँ पूर्व की भांति ही संपन्न की जाती हैं। मात्र तकनीकी एवं वित्तीय बीड के अभिलेखों के हार्ड कॉपी को स्कैन कर डी0एस0सी0के माध्यम से संबंधित निविदादाता द्वारा स्वहस्ताक्षर कर किसी खास निविदा के लिए अपना अभिलेख कम्प्यूटर में अपलोड कराते है, जिससे उनके द्वारा डाले गए अभिप्रमाणित कागजातों में रद्दोबदल नहीं किया जा सकता है, जो निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के लिए उपयोगी है।

3. इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रक्रिया से लाभः

इस पद्धति के लागू होने से विभिन्न भौगोलिक स्थानों से निविदादाता घर बैठे निविदा में भाग लेने की सक्षमता प्राप्त करेंगे जिसे निविदादाताओं के बीच प्रतियोगिता में वृद्धि होगी, जिसका लाभ निविदादाता, विभाग तथा राज्य की जनता को प्राप्त होगी।

इस पद्धति द्वारा की गई निविदा पारदर्शी होंगी जो कि बाह्य कारकों से अप्रभावित रहेगी जिससे निविदादाता एवं विभाग दोनों लाभान्वित होंगे तथा नियमानुसार सक्षम निविदादाता को निविदा प्राप्त हो सकेंगी।